www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

आपका भरोसा, हमारी ताकत

RNI No. : DELHIN/2016/70240

2 बार्डर पर तनाव रखने वाला चीन आखिर...

3 मंसूरचक के साठा में काली पूजा को लेकर उमड़ी...

4 मुख्यमंत्री नायब सैनी ने वृद्धाश्रम में मनाया...

वर्ष: 9 | अंक: 358 | दिल्ली, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति भवन के करीब मामूली आग से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार दोपहर राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 31 के पास एक इमारत में आग लग गई, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार, दो मंजिला इमारत के भूतल पर घरेलू सामान में लगी आग की सूचना दोपहर 1:51 बजे मिली। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन परिसर से मामूली आग लगने की सूचना मिली। नर्मदा अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 19 और राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 31 में आग लगने की सूचना मिली। दोपहर 2:15 बजे आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि पाँच दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया और 20 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

निजी स्वार्थों से भरा गठबंधन, एकता महज दिखावा-जीतन राम मांझी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। चुनावी राज्य बिहार में कुछ सीटों पर महागठबंधन

के 'दोस्ताना मुकाबले' की संभावना के बीच, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने मंगलवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन में मतभेद उनके निजी स्वार्थों का नतीजा हैं। एएनआई से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री मांझी ने चुनाव जीतने के बाद भी सरकार चलाने की गठबंधन की क्षमता पर सवाल उठाया। मांझी ने कहा कि कांग्रेस, राजद या हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (भारत) गठबंधन में शामिल लोग अपने निजी स्वार्थों के लिए हैं... जहाँ निजी स्वार्थों की बात आती है, वहाँ मतभेद होना स्वाभाविक है... अब वे (महागठबंधन) कह रहे हैं कि वे कई सीटों पर दोस्ताना मुकाबला कर रहे हैं। क्या ऐसा हो भी सकता है? जनता चुनावों में इसका जवाब देगी।

प्रधानमंत्री मोदी से मिलीं सीएम रेखा गुप्ता, आशीर्वाद लिया

विकास और जनकल्याण योजनाओं पर सरकार का फोकसः सीएम रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री के अनुसार यह मुलाकात आत्मीय व सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री को राजधानी के विकास, स्वच्छ यमुना अभियान और आगामी छठ पूजा की तैयारियों से संबंधित विषयों पर जानकारी दी। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राजधानी 'विकसित दिल्ली' बनने की ओर तेजी से अग्रसर हो रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को यमुना नदी को निर्मल और प्रदूषण रहित बनाने के लिए दिल्ली सरकार के सतत प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार यमुना के कायाकल्प को लेकर पूर्ण प्रतिबद्ध है। इसके तहत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की क्षमता बढ़ाई जा रही है, ड्रेनों से निकलने वाले अपशिष्ट जल को शुद्ध करने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाई जा रही है और उद्योगों के अपशिष्ट पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। इसके साथ ही यमुना के तटों पर हरित पट्टी विकसित की जा रही है और नदी में अवैध अपशिष्ट फेंकने पर रोक लगाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि आगामी वर्षों में यमुना दिल्लीवासियों के लिए स्वच्छ और जीवनदायिनी नदी के रूप में नव-जीवन प्राप्त कर ले।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को यह भी बताया कि राजधानी में इस बार छठ पूजा को भव्य और दिव्य बनाने के लिए दिल्ली सरकार व्यापक स्तर पर तैयारियां कर रही है। उन्होंने कहा कि यमुना नदी के दोनों किनारों पर विशेष छठ घाट तैयार किए जा रहे हैं, जहां व्रतधारियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। घाटों पर प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, सुरक्षा, चिकित्सा सहायता और मोबाइल शौचालय जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी लगातार घाटों की सफाई और जल गुणवत्ता की जांच कर रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक है, और दिल्ली सरकार चाहती है कि यह पर्व श्रद्धा, भक्ति और स्वच्छता के साथ संपन्न हो।

शिष्टाचार भेंट के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री को राजधानी में चल रही जनकल्याणकारी व इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी विकास परियोजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार परिवहन, शिक्षा, जल आपूर्ति और शहरी पुनर्विकास के क्षेत्रों में तेजी से काम कर रही है।

नए फ्लाईओवर, अंडरपास और कनेक्टिविटी परियोजनाओं से राजधानी में यातायात व्यवस्था में सुधार आ रहा है। इसी प्रकार, नई स्वास्थ्य सुविधाओं और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के विस्तार से नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि दिल्ली सरकार राजधानी को 'विकसित दिल्ली' बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है, ताकि राजधानी को एक आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित और जनसुविधाओं से परिपूर्ण शहर बनाया जा सके।

दिल्ली में लगभग एक हजार से अधिक स्थानों पर छठ पर्व का होगा आयोजनः कपिल मिश्रा

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने 'छठ पूजा 2025' की तैयारियों को लेकर पूर्वांचल मोर्चा के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष संतोष ओझा और पूर्वांचल मोर्चा के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष दिल्ली में लगभग एक हजार से अधिक स्थानों पर छठ पर्व का आयोजन किया जाएगा, जो अब तक का सबसे व्यापक आयोजन होगा। कई वर्षों के बाद यमुना घाटों पर छठ पूजा का विशेष आयोजन किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि यमुना घाटों के अलावा द्वारका, हाथी घाट, पीतमपुरा और सोनिया विहार जैसे चार प्रमुख स्थानों पर विशेष रूप से भव्य आयोजन किए जाएंगे। दिल्ली के सभी छठ घाटों पर पूर्वांचल की लोक संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग द्वारा दिल्ली के 200 से अधिक स्थानों पर कलाकारों को लोकगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देने के लिए आमंत्रित किया गया है। घाटों पर भव्य स्वागत द्वार, छठी मैय्या और सूर्य भगवान की प्रतिमाओं के साथ आकर्षक विद्युत सजावट की जाएगी, ताकि वातावरण श्रद्धापूर्ण और उत्सवमय बने। कुछ प्रमुख स्थानों पर मॉडल छठ घाट स्थापित किए जा रहे हैं, जो सजावट और सुविधाओं के दृष्टिकोण से उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।

मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने बताया कि छठ घाटों की तैयारियों के लिए आवश्यक अनुमति और एनओसी की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम लागू किया गया है, जैसा पूर्व में अन्य बड़े आयोजनों जैसे कांवड़ यात्रा, गणेशोत्सव, दुर्गा पूजा और रामलीला में किया गया था। प्रत्येक नगर निगम जोन में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे जो व्यवस्थाओं के समन्वय और निगरानी का कार्य करेंगे। एमसीडी को निर्देश दिए गए हैं कि घाटों की नियमित सफाई के लिए पर्याप्त सफाई कर्मचारी तैनात किए जाएँ, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने छठ घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट वैन, एम्बुलेंस और फायर सेफ्टी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि सिचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग को घाटों पर सुरक्षा और बैरिकेडिंग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि फायर डिपार्टमेंट, एनडीएमसी और एमसीडी सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए सुबह के अर्घ्य के बाद नाश्ते और पेयजल की व्यवस्था करने के लिए भी संबंधित विभागों को निर्देश दिए।

आपदा में हर अन्नदाता किसान के साथ खड़ी है प्रदेश सरकारः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ में शीघ्र बनेगा चौधरी चरण सिंह जी की स्मृति में 'सीड पार्क'-सीएम

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास से पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों की सहायता हेतु गेहूं के बीज सहायता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व पूरे उत्साह, उमंग और शांतिपूर्वक वातावरण में मनाया जा रहा है। दीपावली का पर्व पूरे उत्साह, उमंग और शांतिपूर्वक वातावरण में मनाया जा रहा है। उत्सव का वास्तविक आनंद तभी है, जब हम किसी पीड़ित को जोड़कर उसकी सहायता के लिए खड़े हों। इसी भावना के साथ आज इस कठिन समय में उत्तर प्रदेश सरकार पंजाब के अन्नदाता किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि आपदा का सामना पंजाब के किसान अकेले नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार (भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार) हर आपदा-पीड़ित नागरिक के साथ खड़ी हैं। चाहे वह राहत सामग्री के रूप में सहायता हो, आर्थिक सहयोग हो या पुनर्वास का प्रयास। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर किसानों को सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पंजाब हमारे देश का एक प्रमुख राज्य है, जिसने स्वतंत्र भारत में कृषि आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। लेकिन इस वर्ष वहां हुई अतिवृष्टि (अति वर्षा) के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यहां तक कि किसानों द्वारा सुरक्षित रखे गए बीज भंडार भी बाढ़ की चपेट में आने से नष्ट हो गए, जिससे आगामी फसलों पर गंभीर प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसी भावना के साथ आज कृषि विभाग एवं उत्तर प्रदेश बीज एवं विकास निगम की ओर से ढाई हजार बोरे यानी 1000 क्विंटल गेहूं का बीज पंजाब भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि जब पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड में बाढ़ आई थी, तब उत्तर प्रदेश सरकार ने इन राज्यों के लिए राहत सामग्री भेजी थी और साथ ही मुख्यमंत्री राहत कोष से धनराशि भी उपलब्ध कराई थी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्राकृतिक आपदा की घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी रही है और आगे भी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे किसान और हमारे संस्थान मिलकर आत्मनिर्भर भारत की नींव को सुदृढ़ कर रहे हैं। इसी क्रम में बहुत शीघ्र ही लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की स्मृति में सीड पार्क की स्थापना की जाएगी। इसकी सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा प्रदेश के भीतर पांच अन्य सीड पार्क स्थापित करने की दिशा में भी कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसानों को समय पर उन्नत और गुणवत्तापूर्ण बीज मिल जाएं, तो उनकी लागत घटती है और उत्पादन बढ़ता है। लेकिन यदि बीज देर से या घटिया गुणवत्ता के हों, तो 30 से 50 प्रतिशत तक उत्पादन घटने की संभावना रहती है। इसलिए सरकार की प्राथमिकता यह है कि किसानों को समय पर श्रेष्ठ बीज उपलब्ध हों।

इस अवसर पर योगी सरकार में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख पूर्व मंत्री और विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव कृषि रविंद्र कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मियों का बलिदान प्रदेश और देश की अमूल्य पूंजी : मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस समारोह में प्रदेश पुलिस के वीर शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान प्रदेश और देश की अमूल्य पूंजी है, जिसे हम कभी भूल नहीं सकते। उनकी स्मृतियां हमें कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा का अमर संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश पुलिस ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4,061.87 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश के तीन बहादुर पुलिसकर्मियों एसटीएफ निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्ध नगर) ने अपने प्राणों की आहुति दी। मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिस कर्मियों के परिजनों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनके कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ हर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 96 पुलिस कर्मियों (केंद्रीय बलों एवं अन्य राज्यों के मूल निवासी यूपी के पुलिसकर्मी सहित) को कुल 30.70 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पुलिस बल के मनोबल, कार्यकुशलता और व्यावसायिक दक्षता को सशक्त करने के लिए कई अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस कर्मियों की सेवानिवृत्ति और मृत्यु के उपरांत 90 प्रतिशत जीपीएफ के 2,511 प्रकरणों का भुगतान किया गया, जबकि उत्तर प्रदेश सामान्य भविष्य निधि नियमावली 1985 के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय संभाग के 108 पुलिस कार्मिकों को अग्रिम धनराशि स्वीकृत की गई। 234 पुलिसकर्मियों के मेधावी बच्चों को 51.10 लाख रुपये की छात्रवृत्ति दी गई तथा 1.12 करोड़ रुपये की अतिरिक्त स्वीकृति प्रदान की गई।

स्वास्थ्य सुरक्षा के तहत चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 519 मामलों में 11.85 करोड़ रुपये की चिकित्सा प्रतिपूर्ति दी गई, जबकि 170 कर्मियों को जीवन रक्षक निधि से 6.64 करोड़ रुपये अग्रिम दिए गए। 374 मृतक पुलिस कर्मियों के आश्रितों को 11.86 करोड़ की बीमा धनराशि और 124 आश्रितों को बैंक ऑफ बड़ौदा के बड़ौदा पुलिस सैलरी पैकेज से 67.76 करोड़ रुपये का भुगतान कराया गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मियों के सम्मान में 34 कर्मियों को राष्ट्रपति वीरता पदक, 11 को विशिष्ट सेवा पदक और 145 को सराहनीय सेवा पदक मिले हैं। गृह मंत्रालय ने 763 कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा पदक, जबकि 486 को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए हैं। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक तीन राजपत्रित अधिकारियों को प्रदान किए गए। पुलिस महानिदेशक द्वारा 90 राजपत्रित और 404 अराजपत्रित कर्मियों को सम्मान चिन्ह प्रदान किए गए।

महाप्रबंधक, उ.रे. ने दिल्ली जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्री व्यवस्था का किया निरीक्षण

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने त्योहारों के दौरान यात्रियों की संरक्षा, सुविधा एवं सुरक्षा के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा हेतु दिल्ली जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने भीड़ प्रबंधन पर दिल्ली मण्डल द्वारा किए गए इंतजामों का निरीक्षण किया और यात्रियों से बातचीत कर स्वच्छता और सुविधाओं पर उनकी प्रतिक्रिया ली। उन्होंने कंट्रोल रूम का भी दौरा किया और त्योहारों के दौरान यात्रियों की आवाजाही का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि रेलवे ने यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं ताकि स्टेशन पर यात्रियों के आवागमन में यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुचने में उन्हें कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा यात्री सुविधा और संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। छठ के दौरान, यात्रियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि को देखते हुए उत्तर रेलवे द्वारा पूर्व की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए सामान्य ट्रेनों के अलावा

विशेष ट्रेनें भी चलाई जा रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि रेलवे छठ पर्व के दौरान लाखों यात्रियों के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करेगी। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयासरत रहें एवं समय-समय पर स्टेशनों का दौरा करें और यात्रियों की सुविधा को सुनिश्चित करे।

पंजाब की यूनिवर्सिटियों और कॉलेजों में श्री गुरु तेग बहादुर जी की विरासत और शहादत पर आयोजित किए जाएंगे सेमिनार

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। राज्य के युवाओं में सत्य के मार्ग पर चलने, बलिदान की भावना और धार्मिक स्वतंत्रता के मूल्यों को संजोने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों (वी.सी.) और कॉलेज प्रिंसिपलों-जिनमें निजी और सहायता प्राप्त संस्थान भी शामिल हैं-को निर्देश दिए हैं कि वे नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के जीवन, शिक्षाओं और शहादत पर व्यापक सेमिनार आयोजित करें।

निःस्वार्थता, समानता और मानवाधिकारों पर गुरु साहिब जी के दर्शन को रेखांकित करते हुए श्री हरजोत सिंह बैंस ने सभी वी.सी. और प्रिंसिपलों को पत्र लिखकर 27 अक्तूबर 2025 से 30 नवंबर 2025 तक अपने संस्थानों में इस विषय पर सेमिनार और अन्य कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। शैक्षणिक संस्थानों में इन कार्यक्रमों के दौरान धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के निर्देश देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि वी.सी. और प्रिंसिपल सेमिनारों में प्रमुख सिख विद्वानों को आमंत्रित करें, ताकि विद्यार्थियों को नौवें पातशाह की महान शहादत-जिन्होंने धर्म की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए बलिदान दिया-के बारे में जागरूक किया जा सके।

ये सत्र उनके निःस्वार्थ सेवकों-भाई सती दास जी, भाई मती दास जी, भाई दयाला जी और भाई जैता जी (बाबा जीवन सिंह जी)-के अद्वितीय साहस, वीरता और अटूट विश्वास पर भी प्रकाश डालेंगे, जिनकी गुरु जी के प्रति भक्ति की गाथाएं इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज हैं।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य राज्य की समृद्ध विरासत और इसके आधुनिक शैक्षणिक ढांचे के बीच सेतु बनाते हुए यह सुनिश्चित करना है कि इन महान नायकों की विरासत आने वाली पीढ़ियों को न्याय, सत्य और नैतिक मूल्यों के सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रेरित करती रहे।

दिवाली के बाद दिल्ली की हवा हुई 'खतरनाक'

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिवाली के बाद राष्ट्रीय राजधानी में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बीच, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बढ़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक और कमजोर समूहों, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। त्योहारों के मौसम, मौसमी मौसम में बदलाव और पड़ोसी राज्यों में

पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं ने प्रदूषण के स्तर को और बढ़ा दिया है, जिससे निवारक उपायों की मांग उठ रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में आतिशबाजी पर अपने पूर्व के पूर्ण प्रतिबंध में ढील दी थी और कुछ शर्तों के साथ हरित आतिशबाजी की बिक्री और उपयोग की अनुमति दी थी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के चरण 2 को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया था।

सम्पादकीय

बिहार में लेफ्ट एकता की राह

बिहार के विधानसभा चुनाव के बहुत सारे पहलू हैं। और इनमें से ज्यादातर पर लिखा जा रहा है। मगर एक और बहुत महत्वपूर्ण पहलू है जो दिख तो बहुत तेजी से रहा है मगर लिखा कम जा रहा है या कह सकते हैं नहीं के बराबर। वह है बिहार में लेफ्ट का उभार। किसी राज्य में बहुत समय बाद यह डवलमपेंट देखा गया। लेफ्ट इस समय अपने सबसे कमजोर दौर में है। लोकसभा विधानसभाओं में सदस्यों के हिसाब से भी और नेतृत्व के हिसाब से भी। हालांकि लेफ्ट के सैद्धांतिक लोग दोनों बातों को नहीं मानते हैं। न तो वे यह मानते हैं कि संसद विधानसभा में कम संख्या होने से देश के महत्वपूर्ण मामलों में उनकी राय विचार जनता को मालूम ही नहीं पड़ पाते हैं। और न ही यह कि वहां अच्छे प्रभावशाली वक्ता नहीं होने से बाकी समान विचारों के दलों में जो उनकी धमक होती थी वह खतम हो गई है। कभी हिरेन मुखर्जी, भुपेश गुप्त, इन्द्रजीत गुप्त, सोमनाथ चटर्जी, ज्योति वसु और शायद आखिरी सीताराम येचुरी संसद में ऐसी आवाजें थीं जो पक्ष विपक्ष सबको न केवल सुनने पर मजबूर कर देती थीं बल्कि सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों पर उनका गहरा प्रभाव पड़ता था। इन्दिरा गांधी के बैंकों के राष्ट्रीयकरण, राजा रानियों के प्रीविपर्स-प्रिवलेज खत्म करने में लेफ्ट के प्रभाव का बड़ा हाथ था। ऐसे ही यूपीए सरकार में किसानों की कर्ज माफी, मनरेगा, राइट टू इन्फार्मेशन और दूसरे कार्यक्रम लेफ्ट की मदद से ही ले गए। मगर कांग्रेस और लेफ्ट दोनों की एक भयानक गलती अमेरिका से न्यूक डील पर लड़ पड़ने के कारण न केवल लेफ्ट यूपीए से अलग हुआ। बल्कि फिर सरकार भी गई। न्यूक डील के बाद जब अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा भारत आए और सीपीआईएम के महासचिव येचुरी से उनसे मिलने गए तो जब हमने उनसे संसद भवन की प्रेस कान्फ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति से मिलने जाने के बारे पूछा तो पहली बार उन्हें झुंझलाते हुए देखा। हमारा सवाल सिम्पल था कि अमेरिका के मुद्दे पर कांग्रेस से रिश्ता तोड़ा। फिर जिससे कांग्रेस ने समझौता किया था उससे मिलने जाने का कारण। सीपीएम मानेगा या नहीं मगर न्यूक डील पर यूपीए सरकार से समर्थन वापस लेना यह उसकी दूसरी बड़ी हिमालयन ब्लंडर थी। पहली निश्चित ही तौर पर ज्योति वसु को प्रधानमंत्री बनने न देना थी। तीसरी हम अक्सर सीताराम से कहते थे उन्हें तीसरी बार राज्यसभा में नहीं जाने देना। सीपीएम ने यह नियम बना रखा है कि दो बार से ज्यादा किसी को राज्यसभा नहीं दी जाएगी। ठीक है। मगर सीताराम जैसे प्रभावशाली वक्ता और समान विचार वाले दलों को साथ लेकर चलने वाले आदमी से बेहतर या उस जैसा ही कोई हो तब तो हटाना सही है। मगर केवल नियम के लिए कि दो टर्म हो गए हटा दिया संसद में पार्टी को कमजोर कर गया। वे सीताराम येचुरी ही थे जिन्होंने एक बार राज्यसभा में मोदी सरकार को हरा दिया था। सोचिए कितनी ताकतवर सरकार बनती है। कैसा नियंत्रण है। वह वोटिंग में हारी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव था। 2015 में। सामान्यतः वह ध्वनिमत से सर्वसम्मति से पास हो जाता है। मगर उस दिन राज्यसभा में जब प्रधानमंत्री मोदी चर्चा का जवाब देने खड़े हुए तो उन्होंने विपक्ष पर कई आरोप लगाए। जैसे अभी भी लगाते हैं। इसके बाद धन्यवाद प्रस्ताव पास होता है। मगर प्रधानमंत्री के रवैये को देखते हुए सीताराम अपने एक संशोधन प्रस्ताव पर अड़ गए। आम तौर पर होता यह है कि विपक्ष अपने संशोधन प्रस्ताव वापस ले लेता है और धन्यवाद प्रस्ताव पास हो जाता है। मगर सीताराम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विपक्ष पर आरोप तथ्यहीन गलत तो हैं ही, मगर गैर जरूरी भी हैं। उनका यह रवैया स्वीकार नहीं किया जा सकता। मेरे संशोधन प्रस्ताव पर वोटिंग करवाइए। सरकार मुश्किल में पड़ गई। सीताराम ने पूरे विपक्ष को तैयार किया। और वोटिंग हुई मोदी सरकार हारी। यह सामान्य बात नहीं थी। इतिहास में केवल चौथा मौका था जब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर विपक्ष का संशोधन स्वीकार हुआ हो। इससे पहले जनता पार्टी की सरकार में, वीपी सिंह और वाजपेयी की सरकार में यह हुआ था। संसद विधानसभाओं में लेफ्ट की उपस्थिति भाजपा के नरेटिव को हमेशा रोकती है। एक और घटना याद आती है कि राज्यसभा में ही वाजपेयी सरकार में मंत्री सुषमा स्वराज जब प्रेमचंद के बारे में अपमानजनक तरीके से बोल रहीं थी कि क्या केवल इन्हीं को पढ़ाते रहें तो सरला माहेश्वरी ने उन्हें रोका था और कड़ा जवाब दिया था। सीपीएम की सांसद रहीं सरला राजस्थान के प्रसिद्ध जनकवि हरीश भदानी की बेटी हैं। वही लेफ्ट अब संसद विधानसभाओं के साथ जमीन पर भी कमजोर हो गया है। मगर यहीं उसके लिए बिहार उम्मीदों का केन्द्र बन रहा है। यहां दोनों प्रमुख लेफ्ट पार्टियों सीपीएम और सीपीआई के बदले सीपीआईएमएल (माले) लीड कर रहा है और अच्छी बात यह है कि बाकी दोनों लेफ्ट पार्टियों को इससे कोई दिक्कत नहीं है। नहीं तो एक समय सीपीएम, माले से बात करने को भी तैयार नहीं था। उसके साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने का तो सवाल ही नहीं। लेकिन वक्त के साथ सीपीएम कमजोर हुआ और माले ताकतवर। आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत तो लेफ्ट पार्टियों की एकता की है। मगर इस पर जब भी बात करो लेफ्ट के सैद्धांतिक नेता आप पर टूट पड़ते हैं। वे उसी अकादमिक वाम विचारधारा को लागू करना चाहते हैं जो भारत की विशेष स्थिति के कारण कभी हो नहीं पाई।

जयंती

स्वामी रामतीर्थ

जन्म: 22 अक्टूबर, 1873–मृत्यु: 17 अक्टूबर, 1906, एक हिन्दू धार्मिक नेता थे, जो अत्यधिक व्यक्तिगत और काव्यात्मक ढंग के व्यावहारिक वेदांत को पढ़ाने के लिए विख्यात थे। रामतीर्थ वेदांत की जीती जागती मूर्ति थे। उनका मूल नाम 'तीरथ राम' था। वह मनुष्य के दैवी स्वरूप के वर्णन के लिए सामान्य अनुभवों का प्रयोग करते थे। रामतीर्थ के लिए हर प्रत्यक्ष वस्तु ईश्वर का प्रतिबिंब थी। अपने छोटे से जीवनकाल में उन्होंने एक महान समाज सुधारक, एक ओजस्वी वक्ता, एक श्रेष्ठ लेखक, एक तेजोमय संन्यासी और एक उच्च राष्ट्रवादी का दर्जा पाया। स्वामी रामतीर्थ जिसने अपने असाधारण कार्यों से पूरे विश्व में अपने नाम का डंका बजाया। मात्र 32 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने प्राण त्यागे, लेकिन इस अल्पायु में उनके खाते में जुड़ी अनेक असाधारण उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि अनुकरणीय जीवन जीने के लिए लम्बी आयु नहीं, ऊँची इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है।

पुण्यतिथि

दलीप सिंह

जन्म: 6 सितम्बर, 1838, लाहौर; मृत्यु: 22 अक्टूबर, 1893, पेरिस, पंजाब के महाराज रणजीत सिंह के सबसे छोटे पुत्र थे। इन्हें 1843 ई. में नाबालिग अवस्था में अपनी माँ रानी ज़िन्दाँ की संरक्षकता में राजसिंहासन पर बैठाया गया था।

कल मिलेंगे

बीवी ने पति को मैसेज किया–आपको पड़ोसन कैसी लगती है...?
बीवी को खुश करने के लिए पति ने रिप्लाई किया–एकदम बंदरिया जैसी...!
बीवी–ठीक है तो आते समय मेरे लिए दो साड़ी लेते आना, नहीं तो ये मैसेज पड़ोसन को दिखा दूंगी...!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

बार्डर पर तनाव रखने वाला चीन आखिर इंडिया को क्यों लगाने लगा मस्का? चीनी मुस्कान के पीछे क्या साजिश है?

चीन के महावाणिज्यदूत की बातें सुनने में सॉफ्ट लग सकती हैं, पर इतिहास बताता है कि चीन की कूटनीति कभी सॉफ्ट नहीं रही। गलवान की बर्फ अभी पिघली नहीं है, और बीजिंग फिर से दोस्ती का गुलदस्ता लेकर आया है। यह वही पुराना खेल है–पहले तनाव बढ़ाओ, फिर मुस्कराहट के साथ वार्ता का प्रस्ताव रखो, ताकि भारत असमंजस में रहे

-नीरज कुमार दुबे

बेंगलुरु में आयोजित इंडिया-चाइना फ्रेंडशिप एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में चीन के मुंबई स्थित महावाणिज्यदूत किन जिए ने कहा कि भारत और चीन मिलकर उन समस्याओं का समाधान कर सकते हैं जिन्हें पश्चिमी देश नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने भारत-चीन संबंधों को उज्ज्वल भविष्य वाला बताते हुए कहा कि दोनों देशों के पास विशाल जनसंख्या, बड़ा बाजार और महान बुद्धिमत्ता है। हम आपको बता दें कि यह कार्यक्रम भारत-चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ। जिए ने बेंगलुरु की तकनीकी प्रगति, जलवायु और नगरीय विकास की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह चीनी निवेश के लिए आकर्षक केंद्र बन सकता है। उन्होंने बताया कि चीन की एक कंपनी पिछले दस वर्षों से कर्नाटक में कार्यरत है और 3,000 से अधिक लोगों को रोजगार दे रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में लगभग 1,000 चीनी नागरिक रह रहे हैं और यह संख्या आगे बढ़ेगी।

हम आपको बता दें कि भारत ने पाँच साल बाद चीनी पर्यटकों के लिए वीजा जारी करना शुरू किया है और सीधी उड़ानों के पुनरारंभ से पर्यटन व व्यापार में वृद्धि की उम्मीद है। जिए ने बताया कि मुंबई स्थित दूतावास ने 2025 में अब तक 80,000 वीजा जारी किए हैं, जो वर्ष के अंत तक 3,00,000 तक पहुँच सकते हैं। कार्यक्रम में चीन की जापान पर 1945 की विजय पर फोटो प्रदर्शनी भी लगाई गई।

देखा जाये तो बेंगलुरु में चीन के महावाणिज्यदूत की मीठी बातों में मिठास कम और मंशा ज्यादा थी। भारत और चीन मिलकर पश्चिम से बेहतर काम कर सकते हैं, सुनने में आकर्षक लगता है, पर यह वाक्य कूटनीति की भाषा में एक सॉफ्ट ट्रैप है। यह वही चीन है जिसने गलवान की रात भारत के जवानों पर हमला किया था और अब उसी के प्रतिनिधि दोस्ती की बातें कर रहे हैं। सवाल यह नहीं कि चीन क्या कह रहा है, बल्कि यह है कि क्यों कह रहा है?

चीन की मुस्कान के पीछे की रणनीति देखें तो दरअसल वह अमेरिकी दबाव से राहत की खोज में है। आज चीन पश्चिमी गठबंधनों से घिरा हुआ है- QUAD, AUKUS, NATO और इंडो-पैसिफिक साझेदारी सब मिलकर बीजिंग को रणनीतिक घेराबंदी में रखे हुए हैं। भारत इनमें एक अहम भूमिका निभा रहा है। चीन जानता है कि अगर भारत थोड़ा भी तटस्थ हो जाए, तो पश्चिमी मोर्चे में दरार पड़ सकती है। इसलिए एशियाई एकता की बात दरअसल विभाजन की चाल है।

इसके अलावा, कोविड के बाद चीन की अर्थव्यवस्था धीमी पड़ी है। विदेशी कंपनियाँ पलायन कर रही हैं, और युवाओं में बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर है। ऐसे में भारत का 1.4 अरब का बाजार बीजिंग को सोने की खान नजर आ रहा है। बेंगलुरु की तारीफ दरअसल एक आर्थिक प्रस्तावना है-हमें अपने बाजार में वापस आने दो। इसके अलावा, गलवान, ताइवान, दक्षिण चीन सागर और हांगकांग-इन सबने चीन की छवि को कठोर और आक्रामक बना दिया है। अब वह सॉफ्ट डिप्लोमेसी के जरिए अपने चेहरे पर मुस्कान चढ़ा रहा है। फोटो प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, दोस्ती की वर्षगांठ, यह सब रिश्तों की मरम्मत नहीं, छवि की मरम्मत है। साथ ही सीमा पर चीन की हरकतें अभी भी बंद नहीं हुई हैं। पैट्रोलिंग पॉइंट 15 और डेमचोक में गतिरोध जारी है। ऐसे में मैत्रीपूर्ण बयान केवल एक साइकोलॉजिकल ऑपरेशन हैं-ताकि भारत की जनता और मीडिया तनाव घटने का भ्रम पाल लें।

अब सवाल उठता है कि क्या भारत को भरोसा करना चाहिए? देखा जाए तो कूटनीति का पहला नियम है-विश्वास करो, पर जाँचो। चीन पर भरोसा करने की भूल भारत पहले कर चुका है-1954 में हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा और 1962 की धोखेबाजी इसका प्रमाण है। आज भी चीन संयुक्त राष्ट्र में आतंकवादियों के खिलाफ भारत के प्रस्तावों पर वीटो लगाता है, पाकिस्तान को समर्थन देता है और अरुणाचल प्रदेश को अपने नक्शे में दक्षिण तिब्बत बताता है। क्या यह मित्रता है? चीन की दोस्ती की परिभाषा हमेशा स्वार्थ से शुरू होकर स्वार्थ पर ही खत्म होती है। इसलिए भारत को इस बार भावनाओं से नहीं, हितों से निर्णय लेना होगा। सवाल उठता है कि भारत की रणनीति कैसी होनी चाहिए। जवाब यह है कि चीन से संवाद बना रहे, पर दूरी भी बनी रहे-यह एंगेज विद आउट इल्यूजन की नीति होनी चाहिए। टेक्नोलॉजी और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों में चीनी निवेश की कड़ी जाँच आवश्यक है। सीमा सुरक्षा, खुफिया सतर्कता और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण को प्राथमिकता दी जाए। भरोसे की जगह सावधानी को आधार बनाया जाए।

बहरहाल, चीन के महावाणिज्यदूत की बातें सुनने में सॉफ्ट लग सकती हैं, पर इतिहास बताता है कि चीन की कूटनीति कभी सॉफ्ट नहीं रही। गलवान की बर्फ अभी पिघली नहीं है, और बीजिंग फिर से दोस्ती का गुलदस्ता लेकर आया है। यह वही पुराना खेल है-पहले तनाव बढ़ाओ, फिर मुस्कराहट के साथ वार्ता का प्रस्ताव रखो, ताकि भारत असमंजस में रहे। भारत को इस बार ठंडी मुस्कान से नहीं, ठोस नीति से जवाब देना होगा। दोस्ती अच्छी है, लेकिन आँख मूँदकर चीन पर भरोसा करना घातक हो सकता है।

दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व

दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है। दीपावली को विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय के साथ विशेष रूप से दुनिया भर में मनाया जाता है– श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन शामिल संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका

-ललित गर्ग

दीपावली केवल दीपों का ही पर्व नहीं है बल्कि यह आत्मा के भीतर बसे अंधकार को मिटाने की साधना का अनुष्ठान है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो जन-जन के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का उजास फैलाती है। पांच दिवसीय इस उत्सव की श्रृंखला धनतेरस से आरंभ होकर भाई दूज तक चलती है, पर इसका अर्थ केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक यात्रा है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, इसका धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। दीपावली का संदेश है कि सच्चा उजाला बाह्य नहीं, बल्कि भीतर में होना चाहिए। हमारी आंतरिक उज्ज्वलता ही सच्ची धन्यता है, वही हमारे कर्म, करुणा और विवेक का उजाला है। यह पंच दिवसीय पर्वों की श्रृंखला भीतर बसे अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और लोभ जैसे नरकासुरों को समाप्त करने का दुर्लभ अवसर है। दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं।

दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है। महावीर का निर्वाण केवल देह का अंत नहीं था, बल्कि आत्मा की पूर्ण जागृति का क्षण था, जब उन्होंने संसार के अंधकार में मोक्ष का शाश्वत दीप प्रज्वलित किया। बौद्ध परंपरा में यह दिन बुद्धत्व की स्मृति का प्रतीक है, वहीं सिक्ख परंपरा में यह दिन गुरु हरगोविंदजी के कारावास से मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब उन्होंने अन्य कैदियों को भी मुक्त कराया था। इन सभी प्रसंगों में एक अद्भुत एकता झलकती है-अंधकार से मुक्ति, ज्ञान से आलोक और अहंकार से आत्मा की ओर यात्रा। तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात अन्धकार की ओर नही, प्रकाश की ओर जाओ, यह उपनिषदों की आज्ञा है।

दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है। दीपावली को विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय के साथ विशेष रूप से दुनिया भर में मनाया जाता है-श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन शामिल संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका। भारतीय संस्कृति की समझ और भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दीपावली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में यह भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है, अन्य दूसरे स्थानों में यह सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है।

दीपावली का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू है गोवर्धन पूजा, जो प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि समृद्धि केवल मनुष्य की मेहनत से नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा से भी मिलती है। गाय, अन्न, जल, वृक्ष, मिट्टी-सबका सम्मान ही सच्ची पूजा है। भाई दूज इस श्रृंखला का अंतिम दिन है, जो स्नेह और पारस्परिक विश्वास का दीप जलाता है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, सहयोग और संरक्षण के भाव को पुष्ट करने का अवसर है। दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है। महात्मा गांधी ने कहा था, ह्लसच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने। यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं-मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा।

दीपावली का पर्व ज्योति का पर्व है। दीपावली का पर्व पुरुषार्थ का पर्व है। यह आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। जो अपने भीतरी आलोक से आलोकित हो गए, वे सबके लिए आलोकमय बन गए।

ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वतः समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएँ इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। आखिर इन समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। मनुष्य को मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता।

दीपावली का संदेश सीमित नहीं है; यह हमें समाज, संस्कृति और मानवता के स्तर पर नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल दीपों की पंक्तियाँ नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि किसी और के जीवन को भी रोशन करेंगे। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकाश की सबसे बड़ी जीत तब होती है जब वह अंधकार के सबसे गहरे कोने में पहुँचता है। हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में-ह्लदीप जलाओ लेकिन ऐसे, जिसमें धुआँ न हो; उजाला हो, पर अहंकार न हो। जब भीतर का दीप जलता है, तो बाहरी दीप स्वतः दीप्तिमान हो उठते हैं। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए। क्योंकि दीया कहीं भी जले उजाला देता है। दीए का संदेश है-हम जीवन से कभी पलायन न करें, जीवन को परिवर्तन दें, क्योंकि पलायन में मनुष्य के दामन पर बुजदिली का धब्बा लगता है, जबकि परिवर्तन में विकास की संभावनाएँ जीवन की सार्थक दिशाएँ खोज लेती हैं।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

एच-1बी वीजा शुल्क पर भारतीयों को बड़ी राहत, ट्रंप प्रशासन ने नियमों का किया खुलासा

(एजेन्सी)।

अमेरिका। अमेरिका में भारतीय पेशेवरों और छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने सितंबर में राष्ट्रपति पद की घोषणा के माध्यम से शुरू किए गए विवादास्पद $100,000 H-1B वीजा शुल्क में छूट को स्पष्ट कर दिया है। यह स्पष्टीकरण भारतीय छात्रों और तकनीकी पेशेवरों को बड़ी राहत देता है, जो अमेरिका में H-1B वीजा के सबसे बड़े लाभार्थी हैं।

अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा ने विवादास्पद H-1B शुल्क के संबंध में निम्नलिखित स्पष्टीकरण जारी किए हैं।

1. स्थिति परिवर्तन पर शुल्क लागू नहीं: नियोक्ताओं के लिए सबसे बड़ी राहत यह है कि $100,000 का शुल्क स्थिति परिवर्तन के मामलों पर लागू नहीं होता है। इसका अर्थ है कि वे व्यक्ति जो संयुक्त राज्य अमेरिका छोड़े बिना एक वीजा श्रेणी से दूसरी श्रेणी में परिवर्तित होते हैं, जैसे कि F-1 छात्र वीजा से H-1B कार्य वीजा में परिवर्तन, उन्हें यह शुल्क नहीं देना होगा। यह भारतीय छात्रों के लिए एक बड़ी राहत है, जो अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत बने हुए हैं।

2. मौजूदा H-1B धारकों के लिए छूट: शुल्क मौजूदा H-1B वीजा धारकों और पहले से स्वीकृत लाभार्थियों पर लागू नहीं होता है। ऐसे व्यक्ति बिना किसी प्रतिबंध के अमेरिका में आ-जा सकते हैं। पुनः प्रवेश, संशोधन, स्थिति विस्तार या स्थिति परिवर्तन के लिए 21 सितंबर, 2025 को या उसके बाद दायर की गई याचिकाओं पर भी यह शुल्क लागू नहीं होगा।

शुल्क कब लागू होगा?

$100,000 का शुल्क केवल उन नई H-1B याचिकाओं पर लागू होगा जो 21 सितंबर, 2025 को पूर्वी डेलाइट समयानुसार रात 12:01 बजे या उसके बाद दायर की गई हैं, और जो उन लाभार्थियों की ओर से दायर की गई हैं जो संयुक्त राज्य अमेरिका से बाहर हैं और जिनके पास वैध H-1B वीजा नहीं है। उन मामलों में भी लागू होती है जहां याचिका में संयुक्त राज्य अमेरिका में किसी विदेशी के लिए कांसुलर सूचना, प्रवेश बंदरगाह सूचना या उड़ान-पूर्व निरीक्षण का अनुरोध किया गया हो।

ध्यान दें कि यदि USCIS स्थिति परिवर्तन या विस्तार के लिए किसी आवेदन को अस्वीकार कर देता है और व्यक्ति को अयोग्य मानता है, तो नियोक्ताओं को यह शुल्क देना होगा।

शुल्क भुगतान प्रक्रिया और अपवाद

भुगतान का तरीका: शुल्क का भुगतान pay.gov के माध्यम से किया जाना चाहिए।

समय सीमा: H-1B आवेदन जमा करने से पहले शुल्क का भुगतान किया जाना चाहिए। शुल्क के प्रमाण के बिना कोई भी आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा।

दुर्लभ मामलों में माफी: गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम 'असाधारण रूप से दुर्लभ परिस्थितियों' में अन्य छूट प्रदान करेंगी, जैसे कि जब कोई अमेरिकी कर्मचारी उस पद को भरने में सक्षम न हो, या अप्रवासी का रोजगार राष्ट्रीय हित में हो।

यह विवादास्पद घोषणा, जिसमें H-1B वीजा पर लगभग 89 लाख रुपये का शुल्क लगाया गया है, 19 सितंबर को जारी की गई थी, जिसने शुरू में नियोक्ताओं और आवेदकों के बीच भ्रम पैदा कर दिया था। यह स्पष्टीकरण यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा इस शुल्क को छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों के लिए गैरकानूनी और हानिकारक बताते हुए ट्रम्प प्रशासन पर मुकदमा दायर करने के बाद आया है।

डीआरआई ने पांच करोड़ रुपये के चीनी पटाखों की तस्करी नाकाम की

(एजेन्सी)।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तूतीकोरिन बंदरगाह पर 5.01 करोड़ रुपये मूल्य के चीनी पटाखों की तस्करी नाकाम की और चार लोगों को गिरफ्तार किया। वित्त मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। डीआरआई अधिकारियों ने ऑपरेशन फायर ट्रेल के तहत तूतीकोरिन बंदरगाह पर कंटेनरों को रोका। इन कंटेनरों में 83,520 चीनी पटाखे पाए गए, जिन्हें इंजीनियरिंग सामान बताकर गलत तरीके से लाया गया था। डीआरआई अधिकारियों ने 14-18 अक्टूबर के दौरान चले इस अभियान के तहत तूतीकोरिन में आयातक को गिरफ्तार किया और जांच के आधार पर, चेन्नई और तूतीकोरिन से तीन अन्य व्यक्तियों (मुंबई के दो व्यक्तियों सहित) को गिरफ्तार किया। चारों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पटाखों का आयात प्रतिबंधित है और इसके लिए विस्फोटक नियम, 2008 के तहत डीजीएफटी और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) से लाइसेंस लेना आवश्यक है।

आईसीसी रैंकिंग में स्मृति मंधाना की बादशाहत कायम

(एजेन्सी)।

आईसीसी महिला वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप के बीच भारतीय क्रिकेट को दो दिग्गजों ने आईसीसी की मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में अपनी चमक बिखेरी है। एक तरफ टीम इंडिया की ओपनर स्मृति मंधाना बल्ले से रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रही हैं, तो दूसरी ओर दीप्ति शर्मा गेंद से विरोधियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर रही हैं। इस प्रदर्शन का फायदा रैंकिंग में देखने को मिला है।

स्मृति मंधाना ने की ताजा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपना पहला स्थान मजबूती से बरकरार रखा है और इंग्लैंड की नेट स्किवर-ब्रंट पर उनकी बढ़त अब 83 अंकों की हो गई है। मंधाना की ये रैंकिंग उनकी हालिया फॉर्म का जीता-जागता सबूत है। उन्होंने इस समय जारी वर्ल्ड कप में लगातार अर्धशतक जमाए हैं। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में खेली गई 88 रनों की बेहतरीन पारी भी शामिल है।

हाल ही में उन्हें सितंबर 2025 में आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड भी मिला था। ये अवॉर्ड उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत मिला था। दूसरी ओर गेंदबाजों की रैंकिंग में दीप्ति शर्मा ने भी धमाका किया है। उन्होंने अब तक इस वर्ल्ड कप में पांच मैचों में 13 विकेट झटके हैं। रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं।

इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन अभी भी टॉप पर काबिज है।

किआरा आडवाणी ने सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मनाई दिवाली

(एजेन्सी)। जुलाई में अपनी बेटी के जन्म के बाद, यह पहली बार था जब अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने दिवाली का त्योहार मनाया और इंटरनेट पर धूम मचा दी। नई-नई मां बनीं कियारा ने अपने पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ माता-पिता के रूप में अपनी पहली दिवाली का जश्न एक बहुत ही प्यारे वीडियो में मनाया। इस वीडियो को देखकर फैंस प्यार और खुशी से झूम उठे। सोमवार को, कियारा और सिद्धार्थ ने इंस्टाग्राम पर एक साथ पोस्ट शेयर किया और अपने फैंस को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक वीडियो साझा किया, जिसमें ढेर सारी गर्माहट, चमक और मुस्कान थी।

इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए कियारा ने लिखा, 'हैप्पी दिवाली, प्यार, रोशनी और धूप।' वीडियो की शुरूआत में, यह प्यारा जोड़ा एक-दूसरे को पकड़े हुए और प्यार से मुस्कुराते हुए दिखाई देता है। दोनों ने चमकीले पीले रंग के खूबसूरत पारंपरिक कपड़े पहने हुए थे। कियारा लहराते हुए अनारकली सूट में नजर आईं, जबकि सिद्धार्थ मैचिंग कुर्ता और सफेद पायजामा पहने हुए थे। इस क्लिप में, कियारा और सिद्धार्थ प्यार भरी नजरों और पोज में अपनी खुशी जाहिर करते दिखे। वीडियो में दोनों की क्लोज-अप सेल्फी भी दिखाई गई, जिसके बैकग्राउंड में 'हैप्पी दिवाली' गाना बज रहा था। यह वीडियो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गया और फैंस ने कमेंट सेक्शन में खूब प्यार बरसाया। फैंस ने कियारा के मां बनने के बाद की चेहरे की चमक और दोनों की खूबसूरत केमिस्ट्री की खूब तारीफ की। बता दें कि सिद्धार्थ और कियारा ने 15 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपनी बच्ची के जन्म की खुशखबरी साझा की थी। उन्होंने लिखा था, 'हमारा दिल भर आया है और हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है। हमें एक बच्ची का आशीर्वाद मिला है। कियारा और सिद्धार्थ।' बाद में, इस जोड़े ने मीडिया और फोटोग्राफरों से गुजारिश की थी कि वे उनके नवजात शिशु की तस्वीरें न लें।

भारत को मिला श्रीलंका और अफगानिस्तान का साथ

(एजेन्सी)।

एशिया कप 2025 ट्रॉफी को लेकर अभी भी विवाद बना हुआ है। ट्रॉफी अभी तक चैंपियन भारतीय टीम को नहीं मिली है। एशियाई क्रिकेट काउंसिल के प्रमुख मोहसिन नकवी ने बीसीसीआई के नए पत्र के बावजूद ट्रॉफी देने से इनकार कर दिया है। वह ट्रॉफी देने की अपनी जिद पर अड़े हुए हैं। बीसीसीआई को अब इस मामले में अफगानिस्तान और श्रीलंका के बोर्ड का समर्थन मिल गया है।

एसीसी के एक शीर्ष सूत्र ने पीटीआई से कहा कि, नकवी ने जोर देकर कहा कि बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि दुबई स्थित एसीसी के मुख्यालय में उनसे ट्रॉफी ले ले, लेकिन बीसीसीआई ने इस रुख को अस्वीकार कर दिया है। बीसीसीआई अगले महीने आईसीसी की बैठक में इस मुद्दे को उठाएगा। एसीसी के एक सूत्र ने कहा कि, बीसीसीआई सचिव, बीसीसीआई के एसीसी प्रतिनिधि राजीव शुक्ला और श्रीलंका क्रिकेट और अफगानिस्तान सहित अन्य सदस्य बोर्डों के प्रतिनिधियों ने पिछले हफ्ते एसीसी अध्यक्ष को भारत को ट्रॉफी सौंपने के लिए एक पत्र लिखा था। उनका जवाब था कि बीसीसीआई से कोई दुबई आकर उनसे ट्रॉफी ले जाए। इसलिए ये मामला अभी तक आगे नहीं बढ़ा है। भारतीय बोर्ड ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है कि वह उनसे ट्रॉफी स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए इस मामले पर आईसीसी की बैठक में फैसला होने की पूरी संभावना है।

आईसीसी के अध्यक्ष बोर्ड के पूर्व सचिव जय शाह हैं। एशिया कप ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय में है क्योंकि भारतीय टीम ने पुरस्कार वितरण समारोह में इसे नकवी से लेने से मना कर दिया था। वह ट्रॉफी अपने साथ लेकर चले गए थे।

नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

मंसूरचक के साठा में काली पूजा को लेकर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

एसबी ब्यूरो

मंसूरचक(बेगूसराय)। प्रखंड क्षेत्र के साठा बलान नदी के कछार पर स्थित प्रसिद्ध काली मंदिर में मां काली की पूजा को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। यहां मां की महिमा दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। दीपावली के अवसर पर विशेष पूजन और भव्य आरती का आयोजन किया गया। जिसमें दर्जनों गांवों के भक्त शामिल हुए। महिलाएं व बच्चे पारंपरिक वस्त्रों में पूजा-अर्चना में लीन नजर आए। स्थानीय लोगों ने बताया कि मां काली की।

कृपा से गांव में सुख-शांति बनी रहती है। मां काली की पूजा की शुरूआत स्थानीय भक्त हरिलाल सहनी के द्वारा किया गया था। वर्षो से यहां मां काली की पूजा अर्चना होती आ रही है। दो। दिवसीय मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन के साथ-साथ आल्हा रुदल नाच का भी आयोजन होता है। प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था की जाती है। पूरा माहौल श्रद्धा और भक्ति से सराबोर रहता है। उक्त मौके पर मेला समिति के अशोक सहनी, पवन सहनी, रमाकांत सहनी, महेश सहनी, रामदास सहनी, शशि भूषण पोद्दार सहित अन्य श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी रहती है।

अंता विधानसभा उपचुनाव-2025- जनरल ऑब्जर्वर सुभाश्री नंदा ने किया मतदान केंद्रों, चेक पोस्टों का निरीक्षण

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 के तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर सुभाश्री नंदा ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों एवं चेक पोस्टों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्वाचन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नंदा ने मतदान केंद्रों पर बिजली, पानी, शौचालय, रैम्प, शेड, व्हीलचेयर एवं प्रतीक्षा स्थल जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग मतदाताओं, वरिष्ठ नागरिकों और महिला मतदाताओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा निर्देश दिया कि मतदान दिवस 11 नवम्बर को सभी मतदाताओं के लिए सुरक्षित एवं सुगम वातावरण सुनिश्चित किया जाए।

जनरल ऑब्जर्वर ने चेक पोस्टों का भी दौरा किया और वहां पर की जा रही वाहनों की जांच, सीसीटीवी निगरानी, वीडियोग्राफी, सामग्री की जब्ती एवं दस्तावेजीकरण प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्वाचन नियमों की कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद नंदा ने सर्किट हाउस बारां में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर तथा पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु के साथ बैठक की। बैठक में निर्वाचन तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों की स्थिति, फ्लाइंग स्क्वाड, एसएसटी टीमों की गतिविधियों तथा मतदाता जागरूकता अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई। जनरल ऑब्जर्वर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि 11 नवम्बर को होने वाला मतदान शांतिपूर्ण, पारदर्शी और शत-प्रतिशत मतदान वाला हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे पूर्ण निष्पक्षता और सजगता से संपन्न कराया जाना चाहिए।

इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अंता हवाई सिंह यादव, लाइजनिंग ऑफिसर एवं सहायक निदेशक जूही अग्रवाल, पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोटपूतली-बहरोड़ के घिलोठ में स्थापित होगा प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में जल्द ही प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित होगा। राज्य सरकार ने नीमराणा तहसील के घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट हेतु 2 लाख 65 हजार 329 वर्गमीटर (65.56 एकड़) भूमि का आवंटन किया है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एक एमओयू के तहत निजी क्षेत्र की कंपनी पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड को रीको के माध्यम से यह भूमि आवंटित की गई है। इस प्लांट में शुरूआत में लगभग 1200 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा और ई-बसों के अतिरिक्त यहां बस बॉडी, मोटर, बैटरी, वायर हार्नेस तथा अन्य स्पेयर पार्ट्स का भी निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर बेहद कम समय में त्वरित गति से भूमि आवंटन के लिए उनका आभार जताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और बुनियादी सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार निरन्तर फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि यह प्लांट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इण्डिया संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण क्षेत्र में राजस्थान देश का महत्वपूर्ण केन्द्र बनकर उभरेगा। शर्मा ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को इलेक्ट्रो मॉबिलिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनके लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के भरपूर अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि ई-बसों के संचालन से राज्य में ग्रीन एनर्जी और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलने के साथ ही, शहरी परिवहन सेवा भी सुगम होगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के उच्चाधिकारियों सहित पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रबंध निदेशक सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आंचल जैन, कार्यकारी निदेशक गजेन्द्र यादव, निदेशक दीपांशु द्विवेदी, प्लांट हैड हरीश यादव उपस्थित रहे।

नगर पालिका ने दिवाली पर शहर रंगोली से सजाया और रोशनी से जगमग किया

■ दिवाली पर पालिका चेयरमैन फात्मा रजा ने शहरवासियों को दिया तोहफा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। दीपावली के पावन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा की पहल से पूरा शहर दीपोत्सव की रौनक में सराबोर नजर आया। शहर के हिन्दू बाहुल्य इलाको और प्रमुख मंदिरों और चौराहों पर आकर्षक रंगोलियां सजाई गईं और दीयों व आधुनिक स्ट्रीट लाइटों से शहर को जगमगा दिया गया।

नगर पालिका की ओर से हर प्रसाद मंदिर, बिरुआबाड़ी मंदिर, गौरीशंकर मंदिर, नगला मंदिर, पंजाबी मंदिर सहित लावेला चौक, इन्द्रा चौक, पुलिस लाइन, संतोष सिंह तिराहा, डीएम चौराहा और ओवरब्रिज के नीचे विशेष रूप से दीपोत्सव की रंगोली बना कर सजावट की गई।

नगरवासियों ने बताया कि पालिका की इस सुंदर पहल से पूरे बदायूं में दीपोत्सव का उत्साह और सौंदर्य देखते ही बनता था। मंदिरों और चौकों की जगमगाहट देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग बाहर निकले। नगर पालिका कार्यालय भवन को बिजली की झालरों से सजाया गया। वही हिन्दू बाहुल्य इलाकों में चौराहों पर रंगोली सजाई तो आधुनिक स्ट्रीट लाइट, तिरंगा एलईडी लाइट से सड़कों को रोशनी से जगमग किया गया।

नागरिको का कहना है पूर्व मंत्री आबिद रजा व पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा अपने कार्यकाल में हिन्दू मुस्लिमों के ही नही बल्कि सभी धर्मों के त्यौहार का विशेष ख्याल रखते, नगर पालिका के कर्मचारियों और शहरवासियों को सभी जरूरी सुविधाओं को उपलब्ध कराने के भरसक प्रयास करते है।

नागरिक कहते है पूर्व मंत्री आबिद रजा व चेयरमैन फात्मा रजा होली व दीपावली पर हर साल शहर के हिन्दू बाहुल्य इलाको में रंगोली बनवाते, विशेष सफाई अभियान चलवाते, भरपूर पानी मिलता। हिंदुओ की राम बारात हो, बाल्मीकि शोभायात्रा हो या मुस्लिम धर्म का जुलूस हो सभी मे सड़क पर रेट कार्पेट बिछवाते है।

नागरिक कहते है पूर्व मंत्री आबिद रजा व पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा की धर्मनिरपेक्ष छवि है,वह इसे और निखार रहे है। इनके कार्यकाल में शहर की सड़कों की दशा भी सुधरी और विकास कार्य नजर आ रहे है।

शहर की सुंदरता और साज-सज्जा के चलते पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा पूरे दीपोत्सव के दौरान चर्चा का केंद्र बनी रहीं।

बेटियां प्रदेश का गौरव, उनके जीवन को सुखी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

■ मुख्यमंत्री ने बेटियों के साथ त्यौहार मनाकर सार्थक की दीपावली: सांसद शर्मा

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली के अवसर पर ईदगाह हिल्स स्थित समुदायिक भवन में निर्धन परिवारों की बेटियों को त्यौहार की बधाई दी और उपहार प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेटियां प्रदेश का गौरव हैं। उनके जीवन को सुखी बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निर्धन परिवारों को अवास उपलब्ध करवाकर उनके जीवन में खुशियां लाने का काम किया है। बहनों और बेटियों के कल्याण के लिए भी अनेक योजनाएं केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं। दीपावली त्यौहार सभी के चेहरे पर मुस्कान लाता है।

बेटियों के बीच आकर त्यौहार की खुशी दोगुनी हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेटियों से उनकी शिक्षा और परिवार के संबंध में संवाद भी किया। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कल उज्जैन में कुष्ठ रोगियों के साथ त्यौहार मनाया और आज भोपाल में बेटियों के बीच त्यौहार की खुशियां साझा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीपावली त्यौहार को सार्थक कर दिया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पहारों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, पार्षद सरोज, गुंजन चौकसे, सुनेहा बग्गा, दुर्गेश केसवानी और राकेश कुकरेजा सहित बड़ी संख्या में बेटियां उपस्थित थी।

आकर्षक रंगोली बनाकर मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया

संजना भारती संवाददाता

सिवान। मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित करने के लिए तरह-तरह के आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन स्वीप गतिविधि के तहत किया जा रहा है। दीपावली के शुभ अवसर पर आंगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा आकर्षक रंगोली बनाकर मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 के अंतर्गत स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव करने को लेकर जीविका दीदियों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई एवं संकल्प सभा का आयोजन किया गया।

इस दौरान वहां उपस्थित सभी महिलाओं ने 06 नवंबर को होने वाले मतदान के दिन न सिर्फ स्वयं मतदान करने की शपथ ली बल्कि अपने परिवार समाज के मतदाताओं को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम (स्वीप) अंतर्गत जीविका दीदियों द्वारा नियमित रूप से मतदाता जागरूकता अभियान का संचालन किया जा रहा है।

इसके तहत जीविका महिला ग्राम संगठनों के नेतृत्व में गांव गांव में जागरूकता रैली निकाली जा रही है।

वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना से चिरकाल तक प्रेरणा देते रहेंगे शहीद पुलिस जवान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीर पुलिस जवानों की शहादत को नमन करते हुए कहा कि यह दिवस प्रत्येक वदीधारी के लिए प्रेरणा का पुंज है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1959 की वह ठंडी सुबह आज भी हमारे मन में गहराई से अंकित है। लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में हमारे 10 वीर पुलिस जवानों ने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनके बलिदान के उपरांत ही भारत में पुलिस स्मृति दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ हुई। हमारे वीर जवानों ने वर्ष 1959 में जिस अदम्य साहस के साथ चीन की हरकतों का सामना किया, वह 10 हजार जवानों के साहस के बराबर था। हमारे लिए यह दिवस एक पर्व की तरह है, क्योंकि अपने कर्तव्य की बेदी पर प्राणों का उत्सर्ग, हमारे जवानों का सौभाग्य और हमारे लिए प्रेरणा है। जो अपने कर्तव्य की वेदी पर प्राणों की आहुति देता है, वह वास्तव में अमर है।" यह शहादत हमें समर्पित भाव से ड्यूटी की प्रेरणा देती है और सरकार के दृष्टिकोण से यह गर्व का विषय है कि हमारे जवान कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण से सदैव अपने साथियों को प्रेरणा देते रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस परेड 2025 के अवसर पर लाल परेड ग्राउंड शहीद स्मारक प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम का संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि उनके त्याग और बलिदान ने हमारी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की है। वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना से वे सदैव हमारी स्मृतियों में रहेंगे। उन्होंने बाबा महाकाल से प्रदेश की समृद्धि और सुरक्षा की कामना करते हुए पुलिसकर्मियों से अपने कर्तव्य पथ पर समर्पण और निष्ठा के भाव से निरंतर अग्रसर रहने का आहवान किया।

गोवर्धन और गौवंश की पूजा पर्यावरण और पशुधन संवर्धन का देती है संदेश : डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपोत्सव, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव की हार्दिक मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में गोवर्धन पूजा हर्षोल्लास से की जा रही है। हर घर, हर गौ-शाला, हर गांव, वृंदावन है और हम सब गोपाल बन गए हैं। हमारी हर परम्परा और उत्सव में प्रकृति के प्रति आदर और समाज के प्रति उत्तदायित्व समाहित है। गोवर्धन पूजा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हमारी संस्कृति ने हमें छोटी से छोटी चीज प्रदान करने वालों के प्रति भी आभार करना सिखाया है। आज हम प्रकृति के उसी दाता स्वरूप को प्रणाम कर रहे हैं। आज के दिन गोवर्धन और गौवंश की पूजा कर हम संसार को प्रकृति, पर्यावरण और पशुधन संवर्धन का संदेश देते हैं। यह सनातन संस्कृति की देन है। यह वास्तव में प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का उत्सव है। यह हमें स्मरण कराता है कि धरती पर जो भी है, उसके साथ सामंजस्य ही जीवन है। गोवर्धन पूजा 'जियो और जीने दो' के विचार और उपलब्ध खाद्य सामग्री एवं संसाधनों को समाज के साथ मिल-बांटकर साझा करने का प्रतीक है। हमारी संस्कृति और परम्पराओं को बचाए रखने की हम सबकी जिम्मेदारी है। राज्य सरकार द्वारा गोवर्धन पूजा का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित गोवर्धन पूजा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौमाता सनातन संस्कृति की आत्मा है। गौमाता के दुग्ध से हमारे शरीर को अमृत मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोपालों की सेना बनाकर पशुधन की रक्षा के लिए बृजवासियों को प्रेरित किया। भगवान श्रीकृष्ण ने लोक संस्कृति एवं सामान्य जनजीवन को बनाए रखने के लिए बाल्यावस्था में अद्भुत लीलाओं से समाज को चमत्कृत कर प्रेरित किया। भगवान श्रीकृष्ण के गोपाल स्वरूप में यह संदेश निहित है कि जो गाय पाले वो गोपाल है। गाय के दूध, गोबर और गौ-मूत्र की महिमा अब वैज्ञानिक रूप से सिद्ध होने लगी है। कैंसर जैसी भयंकर बीमारी में भी गौ-उत्पाद प्रभावी हैं, यह भी सिद्ध हुआ है कि गोबर से लिपे घरों पर विकिरण का प्रभाव कम होता है। खेती में गोबर की खाद की महत्ता से सभी लोग परिचित ही हैं। इसी का परिणाम है कि विश्व, प्राकृतिक खेती और जैविक खेती की महत्ता को पुनः स्वीकार कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परम्पराओं में बेहतर जीवन के कई सूत्र समाहित हैं। योग और आयुर्वेद के सिद्धांत इसी के प्रमाण है। सनातन संस्कृति के प्रत्येक त्यौहार में कोई न कोई संदेश निहित है। राज्य सरकार ने ऐसे त्यौहारों को समाज के साथ मिलकर मनाने की पहल की है, जिन त्यौहारों में संस्कार और संदेश निहित हैं। प्रदेश में समाज के साथ परम्परानुसार मिल-जुलकर त्यौहार मनाने का यह दूसरा वर्ष है। गोवर्धन पूजा फसल कटने और नई फसल की शुरूआत का समय है। इस घड़ी को उत्साह और उल्लास के साथ मनाने से समाज में नई ऊर्जा का संचार होता है। गोवर्धन पर अन्नकूट का आयोजन भी इसी आनंद का भाग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने में पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका है। पशुपालन से दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। वर्तमान में देश के दुग्ध उत्पादन का 9 प्रतिशत मध्यप्रदेश में होता है, इसे 20 प्रतिशत तक ले जाना हमारा लक्ष्य है। हम मध्यप्रदेश को देश का प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी उद्देश्य से प्रदेश में पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

गौवंश के बेहतर आहार के लिए गौशालाओं को मिलने वाली राशि 20 रूपए से बढ़ाकर 40 रूपए प्रति गौवंश किया गया है। गौशालाओं से दूध के साथ गौ-मूत्र और गोबर की उपलब्धता के लिए भी व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरकार के साथ समाज को भी गोवंश संरक्षण में सहयोग देने के लिए प्रेरित किया। गौवंश संरक्षण सनातन संस्कृति की धारा का सशक्त करने में भी सहायक होगा।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम बदायूं।

टी0 बी0 (क्षय रोग) के लक्षण

- दो सप्ताह या उससे अधिक समय से लगातार खांसी का आना।
- खांसी के साथ बलगम में खून का आना।
- नियमित बुखार विशेष रुप से शाम को बढ़ने वाला।
- भूख कम लगना एवं वजन का घटना।
- प्रभावित अंग के अनुसार अन्य लक्षण।
- इलाज को बीच में छोड़ने पर खतरनाक एम0डी0आर0 टी0बी0 के होने की सम्भावना बढ़ जाती है।
- एम0डी0आर0 मरीजों की जाँच की सुविधा जिला क्षय रोग केन्द्र बदायूं एवं सामु0स्वा0 केन्द्र, बिसौली पर सी0बी0 नॉट (जीन एक्पर्ट) मशीन द्वारा एवं प्रा0 स्वा0 केन्द्र म्यायूं, बिनावर, विल्सी, सहसवान, उझानी एवं दातागंज पर टूनॉट मशीन से जाँच नि:शुल्क उपलब्ध है।
- टी0बी0 को फैलने से रोकने के लिए टी0बी0 के मरीज खांसते व छींकते समय मुंह पर कपड़ा अवश्य रखें।
- सभी क्षय रोगियों को नि:क्षय पोषण योजना के अन्तर्गत पोषण हेतु प्रत्येक माह रु. 1000 धनराशि उनके खाते में भेजी जा रही है।
- टी0बी0 उन्मूलन के लिये जनभागीदारी का अभियान टी.बी. रोगियों की सहायता का संकल्प लें नि:क्षय मित्र बनें।
- अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें टोल फ्री नम्बर 1800116666/104

जिला क्षय रोग अधिकारी बदायूँ। | मुख्य चिकित्सा अधिकारी बदायूँ। | जिला अधिकारी बदायूँ।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने वृद्धाश्रम में मनाया दीपोत्सव, वृद्धजनों संग बाँटी खुशियाँ

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीपावली के पावन अवसर पर पंचकूला के सेक्टर-15 स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्धजनों के साथ दीपोत्सव मनाया।

इस अवसर पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने वृद्धजनों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, उन्हें मिठाइयाँ वितरित कीं और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री सैनी ने वृद्धजनों के साथ आतिशबाजी कर इस उत्सव की खुशियाँ सांझा कीं। उन्होंने कहा कि पंचकूला के वृद्धाश्रम में पहुंचकर सम्माननीय वृद्धजनों के साथ दीपोत्सव मनाना एक अत्यंत आत्मीय, प्रेरणादायी और आनंददायक अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि यह पर्व प्रेम, स्नेह और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है, जो हमें यह सिखाता है कि सच्चा उत्सव वही है, जिसमें हर चेहरे पर मुस्कान और हर हृदय में अपनत्व का प्रकाश झिलमिलाता हो।

इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता, जिला

अध्यक्ष श्री अजय मित्तल, जिला रेड क्रॉस सोसाइटी पंचकूला की सचिव श्रीमती सविता अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

सच्ची दीपावली वही-जब आत्म ज्योति से जगमगाए जीवन: बी.के. नीलम दीदी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र राजौंद में दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में एक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बी.के. नीलम दीदी ने दीपावली के सच्चे अर्थ को समझाते हुए कहा कि हम दीपावली की रात घर-घर में दीप जलाकर रोशनी करते हैं, आधी रात को पूजा-अर्चना कर लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं, परंतु वर्षों से ऐसा करने के बाद भी हम धन-धान्य, सुख, शांति, धैर्य और संतोष जैसे गुणों को खोते जा रहे हैं।

दीदी ने कहा कि अब सोचने की आवश्यकता है कि क्या यही सही तरीका है दीपावली मनाने का? क्या दीपावली के बाद हमें सच्ची खुशियां, भय और चिंता से मुक्त जीवन मिल रहा है? क्या यही सच्ची दीपों की रात है, या फिर यह 'दीवाला' बन चुकी है ?उन्होंने बताया कि दीपावली का वास्तविक अर्थ है-'स्वयं की आत्म ज्योति को प्रज्वलित करना'। जब हम अपनी आत्मा को जाग्रत करते हैं और दूसरों की आत्म ज्योति जगाते हैं,

तभी सच्चा आनंदोत्सव मनाया जा सकता है। यही सच्ची दीपावली है।

दीदी ने आगे कहा कि अब समय है स्वच्छ, संतुष्ट और स्वतंत्र राज्य-अर्थात स्वराज की स्थापना करने का। जहां हर मनुष्यात्मा देवी-देवताओं के समान सुख, शांति, प्रसन्नता, संपन्नता और समानता से भरपूर जीवन जी सके। उन्होंने बताया कि परमपिता परमात्मा शिव स्वयं इस समय जगती ज्योत के रूप में इस धरा पर अवतरित होकर मनुष्य को देवता बनाने का कार्य कर रहे हैं। इसलिए सभी को अपने जीवन को हीरे के समान बनाने के लिए निकटतम ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर जाकर राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करना चाहिए। यह जीवन को सफल, शांत और खुशियों से भरने का मार्ग है।

कार्यक्रम के दौरान बी.के. नीलम दीदी ने उपस्थित भाई-बहनों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करवाया और सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर बाल कलाकारों ने सुंदर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाई-बहनों के साथ शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

फरीदाबाद में 15 फीट ऊँचे आशादीप का प्रज्ज्वलन-प्रकाश, एकता और आशा का महोत्सव: मंत्री विपुल गोयल

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। प्रकाश के पावन पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर, हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल की गरिमामयी उपस्थिति में फरीदाबाद के लेबर चौक पर 15 फीट ऊँचे भव्य आशादीप के प्रज्ज्वलन का भव्य आयोजन हुआ। यह दीप न केवल एक प्रतीक है, बल्कि एकता, सद्भाव और आशा के अमृतमयी प्रकाश का संदेशवाहक बनकर समूचे फरीदाबाद को आलोकित करेगा।

श्री विपुल गोयल ने दीप प्रज्ज्वलन के अवसर पर अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग तक इस प्रकाश को पहुँचाने का संकल्प लेते हैं, तभी यह पर्व अपने सच्चे अर्थों में सार्थक होता है। इस भव्य आयोजन में स्थानीय नागरिकों, महिलाओं, युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसने इस आयोजन को एक जनोत्सव का स्वरूप प्रदान किया। दीप जलाओ, आशा बढ़ाओ के गूंजते नारों ने वातावरण को उत्साह और उमंग से सराबोर कर दिया।

यह 15 फीट ऊँचा आशादीप, परंपरा और पर्यावरणीय चेतना के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है। जिसे पुराने घी और तेल के डिब्बों से रचनात्मक ढंग से निर्मित किया गया। आयोजन स्थल पर भजनों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और दीपदान के माध्यम से प्रेम, भाईचारे और सकारात्मकता का संदेश प्रसारित हुआ। फरीदाबाद वासियों ने इस पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए इसे न केवल दीपावली का उत्सव, बल्कि अमृतकाल की भावना और नए भारत की आशा का प्रतीक बताया।

श्री गोयल ने कहा कि यह आशादीप हमारे उस अटूट संकल्प का प्रतीक है, जो प्रत्येक फरीदाबादी के हृदय में धड़कता है। फरीदाबाद को न केवल

हरियाणा, बल्कि पूरे देश में उत्कृष्टता का पर्याय बनाना। दीपावली का अर्थ केवल घरों को रोशन करना नहीं, अपितु समाज और राष्ट्र में नई ऊर्जा, प्रेरणा और अवसरों का प्रकाश फैलाना है। जब हर कोई अपने घर को सजाने में व्यस्त है, हम सब मिलकर अपने शहर को आलोकित करने का महान कार्य कर रहे हैं। यही फरीदाबाद की पहचान है। यह शहर उत्सव भी मनाता है और विकास का दीप भी प्रज्वलित करता है।

उन्होंने ने कहा कि यह आशादीप उन असंख्य हाथों की मेहनत का प्रतीक है, जो दिन-रात फरीदाबाद को सुंदर, सशक्त और आधुनिक बनाने में जुटे हैं। यह उन कर्मठ कामगारों, पेशेवरों, कर्मचारियों और नागरिकों का सम्मान है, जिन्होंने इस शहर को संवारने में अमूल्य योगदान दिया है।

श्री गोयल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के विकसित हरियाणा तथा उत्कृष्ट फरीदाबाद के लक्ष्य को दोहराते हुए कहा कि यह आशादीप इन संकल्पों की दिशा में एक और सशक्त कदम है। उन्होंने अगली दीपावली तक फरीदाबाद को एक नेक्स्ट लेवल डेवलपमेंट सिटी बनाने का संकल्प दोहराया। जिससे इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण और स्मार्ट शहरी सेवाओं के हर मानक पर फरीदाबाद को देश का सर्वश्रेष्ठ शहर स्थापित किया जाएगा। जैसे हम दीपावली से दीपावली तक अपने घरों को और सुंदर बनाते हैं, वैसे ही हमें अपने फरीदाबाद को और उत्कृष्ट बनाना है।

कैथल पुलिस ने अनाथ बच्चों, वृद्धो और जरूरत मंद लोगों के साथ मनाई दिवाली

■ खुशियां बांटकर दिया मानवीयता और सामाजिक संवेदना का संदेश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। कैथल पुलिस द्वारा आमजन के बीच सुरक्षा और सेवा की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ, समाज के उन वर्गों के बीच भी खुशियों की रोशनी पहुँचाने का प्रयास किया गया, जो जीवन की कठिन परिस्थितियों के बावजूद मुस्कुराने की उम्मीद रखते हैं।

दिपावली के अवसर पर एसपी कैथल उपासना, बलप्रीत आई ए एस, डीएसपी ललित कुमार व अन्य पुलिस अधिकारीयों व कर्मचारियों के साथ कैथल कमेटी चौक के पास स्थित अनाथ आश्रम, वृद्धाश्रम तथा कुष्ठ आश्रम में पहुंची तथा वहाँ उपस्थित अनाथ बच्चों, बुजुर्गों और जरूरतमंदो के साथ दिवाली का पर्व मनाया। इस दौरान बच्चों व बुजुर्गों को मिठाई, कपड़े व अन्य आवश्यक सामग्री वितरित भी की गई।

एसपी उपासना ने कहा कैथल पुलिस का उद्देश्य सिर्फ कानून-व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रति संवेदनशीलता और अपनापन दिखाना भी है। त्योहारों की असली खुशी तब होती है जब हम किसी जरूरतमंद के जीवन में उम्मीद और मुस्कान का दीप जलाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से पुलिस और समाज के बीच की दूरी कम होती है और लोगों के मन में पुलिस के प्रति विश्वास, सम्मान और आत्मीयता की भावना मजबूत होती है।

इस अवसर पर पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भविष्य में ऐसे सामाजिक कार्यों को और विस्तार देंगे, ताकि पुलिस की छवि केवल अनुशासन और सख्ती की प्रतीक न रहकर मानवता और सेवा की मिसाल बने।

कैथल पुलिस का यह प्रयास समाज में यह संदेश देता है कि त्योहारों की असली रोशनी सिर्फ घरों में नहीं, बल्कि उन दिलों में जगती है जहाँ कोई उम्मीद का दीप जलता है।

राजौंद के समाजसेवियों ने गरीब मजदूरों संग मनाई दीपावली, बांटी खुशियां और मिठाइयां

■ ईंट भट्ठा मजदूरों व बागड़ी लोहार डेरे पर जाकर जरूरतमंदों संग साझा की खुशियां

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। दीपावली के शुभ अवसर पर जहां एक ओर समाज का मध्यम व उच्च वर्ग रोशनी और सजावट के साथ पर्व मनाने में व्यस्त रहा, वहीं दूसरी ओर राजौंद के समाजसेवी सुरेश कुमार मित्तल (मित्तल बर्तन स्टोर) और सुखदेव शर्मा (तहलका स्टूडियो) ने इस बार त्योहार को कुछ अलग तरीके से मनाया। उन्होंने दीपावली का पर्व शहर के गरीब एवं प्रवासी मजदूर परिवारों के साथ मनाकर समाज में मानवता और करुणा का संदेश दिया।

दोनों समाजसेवी राजौंद के निकट ईंट भट्ठे और रेन बसेरे के पास बागड़ी लोहार डेरे राजौंद पर पहुंचे, जहां उन्होंने मजदूर परिवारों, महिलाओं और बच्चों को मिठाई, उपहार और दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

मजदूर परिवारों ने भी इस स्नेह और सम्मान से अभिभूत होकर दीपावली की खुशी का अनुभव किया। सुरेश मित्तल ने कहा कि समाज का संपन्न वर्ग यदि अपने आस-पास के गरीब परिवारों को अपनी खुशियों में शामिल करे, तो दीपावली की असली भावना साकार हो सकती है। उन्होंने कहा, इन मजदूर परिवारों की जिंदगी अभाव और संघर्ष से भरी होती है। यदि हम उनके जीवन में थोड़ी सी रोशनी जला सकें, तो वही सच्ची दीपावली है।

सुखदेव शर्मा ने भी लोगों से अपील की कि वे दीपावली जैसे पर्वों पर जरूरतमंदों की मदद करें और समाज में प्रेम, समानता और भाईचारे का वातावरण बनाएं। उन्होंने कहा कि गरीबों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही भगवान की सच्ची पूजा है। ईंट भट्ठा मजदूरों और बागड़ी समुदाय के लोगों ने मिठाई और उपहार पाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की तथा कहा कि ऐसे कार्य समाज में आपसी सद्भाव और मानवीय एकता को मजबूत बनाते हैं। राजौंद के नागरिकों ने दोनों समाजसेवियों के इस मानवीय कदम की सराहना की और कहा कि यह पहल समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

बल्ला में कुश्ती दंगल का किया आयोजन, कार्यक्रम में पहलवानों को किया सम्मानित

संजना भारती संवाददाता

असंध। बल्ला में दिवाली के पर्व पर खेल स्टेडियम में विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन कराया गया। इस कुश्ती दंगल में हरियाणा के अलावा विभिन्न राज्यों के नामी पहलवानों ने भाग लिया। विशाल दंगल में समाजसेवी मास्टर जोगेंद्र मान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य अतिथि ने रिबन काटकर और पहलवानों से हाथ मिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जोगिंदर मान ने कहा कि कुश्ती भारतीय परंपरा और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। यह युवाओं में अनुशासन और शारीरिक सफलता को बढ़ावा देती है। जोगिंदर मान ने खेल कमेटी को 31000 रुपए की सहायता राशि दान दी। इस कुश्ती दंगल में आए अनेक नामी पहलवानों को भी सम्मानित किया गया। दंगल में पंजाब, हरियाणा सहित कई राज्यों के नामी पहलवानों ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबले को देखकर दर्शक देर तक तालियां बताते रहे

और उनमें जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कुश्ती दंगल की 51 हजार रुपए की प्रथम कुश्ती हिमाचल केसरी शिवम ने अनुज सांभली को करनाल केसरी को हराकर दर्शकों का मन मोह लिया। 31 हजार की नामी कुश्ती जतीन व आदर्श इंदौर के बीच बराबरी पर रही। 21 हजार रुपए की तीसरी कुश्ती सोनू छत्रसाल अखाड़ा दिल्ली व अक्षय मीरचपुर जींद के बीच हुए कड़े मुकाबले में सोनू ने अक्षय को हराकर कुश्ती मुकाबला जीत लिया।

इस अवसर पर संजय पहलवान, अजीत मास्टर, जीवन सिंह, जसमेर, भीम मानपुरा, रणधीर मेंबर मुख्य रूप से मौजूद रहे।

स्वर्गीय श्याम सुंदर शर्मा: समाज सेवा और आर्य विचारधारा के सच्चे पुजारी हुए प्रभु चरणों में लीन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल/पूंडरी। आर्य समाज के प्रखर प्रचारक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद् श्याम सुंदर शर्मा अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर 12 अक्टूबर 2025 को प्रभु चरणों में लीन हो गए। उनका जाना न केवल परिवार के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

स्वर्गीय शर्मा जी का जन्म फल्गु तीर्थ के नाम से प्रसिद्ध ऐतिहासिक गांव फरल (जिला कैथल) के एक पौराणिक परिवार में हुआ। प्रारंभिक जीवन से ही वे पारिवारिक संस्कारों, अनुशासन और विद्या अध्ययन के प्रति समर्पित रहे। शिक्षा पूर्ण कर उन्होंने डीएवी कॉलेज पुंडरी से स्नातक और आरकेएसडी कॉलेज कैथल से स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की।

पढ़ाई पूर्ण करने के बाद उनका चयन आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अंबाला शहर में हिंदी अध्यापक के रूप में हुआ। उनकी लगन और निष्ठा को देखते हुए डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली ने उन्हें उसी विद्यालय में प्रधानाचार्य (प्रिंसिपल) पद पर पदोन्नत किया।

शिक्षा के क्षेत्र में रहते हुए उनका संपर्क विज्ञान और वेदों के मर्मज्ञ विद्वान प्रिंसिपल डॉ. राजकुमार चौहान, क्षेत्रीय निदेशक डीएवी पब्लिक स्कूल्स, से हुआ। डॉ. चौहान से प्रेरित होकर उन्होंने अपना जीवन देव ऋषि दयानंद सरस्वती जी के विचारों के प्रचार-प्रसार में समर्पित कर दिया। हमेशा मुस्कुराते रहने वाले शर्मा जी का स्वभाव इतना सहज था कि वे हर व्यक्ति के हृदय में अपना स्थान बना लेते थे। उन्होंने आर्य समाज की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ सामाजिक सेवा को भी अपने जीवन का ध्येय बनाया।

आर्य समाज के प्रखर प्रचारक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद् श्याम सुंदर शर्मा। (फाइल फोटो)

सामाजिक सेवा के क्षेत्र में प्रमुख योगदान: स्वर्गीय शर्मा जी ने अपने जीवन काल में अनेक सामाजिक और मानवीय कार्य किए, जिनमें प्रमुख रहे-

आर्य समाज का प्रचार-प्रसार करना: गरीब बच्चों की शिक्षा का प्रबंध करना। निर्धन कन्याओं के विवाह करवाना। वैदिक हवन यज्ञों का आयोजन करना। विद्यार्थियों के लिए चरित्र निर्माण शिविर लगाना। योग और वैदिक जीवन शैली का प्रचार करना। जरूरतमंद बच्चों को वस्त्र व जूते-चप्पल उपलब्ध कराना। विद्वानों एवं समाजसेवियों का सम्मान करना। आर्य संगोष्ठियों का आयोजन करना। प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्यों में सहयोग देना।

लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देना। सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्होंने अपने जीवन को एक सच्चे वानप्रस्थी की तरह समाज सेवा को समर्पित कर दिया। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए भी उन्होंने आर्य समाज के सिद्धांतों और मानवीय मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प निभाया। उनके जीवन से प्रेरित होकर अनेक लोग समाज सेवा के इस अभियान से जुड़े। उनके आंदोलन ने शिक्षा, संस्कार और सेवा के माध्यम से समाज में नई चेतना जागृत की।

समाज में अमिट छाप छोड़ गए शर्मा जी: स्वर्गीय श्याम सुंदर शर्मा जी का व्यक्तित्व सरल, सुसंस्कृत और प्रेरणादायक था। वे एक सच्चे राष्ट्रप्रेमी और मानवता के साधक थे। समाज में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और अपने चरणों में स्थान दें। उनके कार्य और विचार सदा समाज में प्रेरणा बनकर जीवित रहेंगे।

दिवाली पर पंचकूला को स्वास्थ्य का तोहफा

प्रदेश के अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा: आरती सिंह राव

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की पहल पर पंचकूला जिले के नागरिकों को इस दिवाली के अवसर पर बड़ा स्वास्थ्य उपहार मिला है।

राज्य की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के विशेष प्रयासों से सिविल अस्पताल पंचकूला को लगभग एक करोड़ रुपए की लागत की अत्याधुनिक कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध कराई गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस आधुनिक मशीन के लगने से पंचकूला जिले के मरीजों को अब और अधिक सटीक व उच्च गुणवत्ता वाली डॉयग्नोस्टिक सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह मशीन गर्भवती महिलाओं, हृदय रोगियों और अन्य गंभीर बीमारियों के समय पर निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि सिविल अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सकों से सुसज्जित किया जाए ताकि लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं अपने ही जिले में मिल सकें।

आरती सिंह राव ने बताया कि यह मशीन शीघ्र ही अस्पताल में कार्य करना शुरू कर देगी, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को तत्काल लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आगामी समय में भी प्रदेश के सभी अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा उपकरण और संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे, ताकि हर नागरिक को सही, सुरक्षित और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उनके निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर ही मिल सकें।